[This question paper contains 8 printed pages.]

2471 *Your Roll No.* ....

LL.B. / V Term **F**

Paper LB-502 : JURISPRUDENCE - I

(Theory of Law)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **Five** *questions.*

All *questions carry equal marks.*

Answer the questions giving examples from Indian Legal System.

कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी *प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्नों के उत्तर भारतीय विधिक प्रणाली से उदाहरण देते हुए लिखिए।*

P.T.O.

1. Explain Austin's command theory and his Tacit command theory

Are following laws/commands according to Austin :

(a) Customs in India

(b) Supreme Court of India declaring NJAC Act unconstitutional.

(c) General Clauses Act

(d) An Act repealing the existing law. (20)

आस्टिन की कमांड थ्यौरी और टेसिट कमांड थ्यौरी की व्याख्या कीजिए।

क्या ऑस्टिन के अनुसार निम्नलिखित विधियां/कमान्ड्स है :

(क) भारत में रुढ़िया।

(ख) भारत के उच्चतम न्यायालय का एन.जे.ए.सी. एक्ट को असंवैधानिक घोषित करना।

(ग) साधारण खंड अधिनियम।

(घ) विद्यमान विधि को निरस्त करने वाला अधिनियम।

2. (a) What are the essentials of a society Independent and Politiacl according to John Austin. What are the different types do of societies in existence in

the world? Can you locate a sovereign in India? What is the impact of growth of institutions like WTO on the theory of sovereignty of Austin? (15)

(b) According to H.L.A. Hart, John Austin cannot explain continuity of sovereign specially when a king dies in an Autocracy. Explain the reason as to why Hart makes this observation with respect to Austin. (5)

(क) जॉन ऑस्टिन के अनुसार किसी स्वतंत्र और राजनीतिक समाज के आवश्यक तत्व क्या होते हैं? विश्व में विद्यमान समाजों की विभिन्न प्रवृतियां क्या हैं? क्या आप भारत में संप्रभू का पता लगा सकते हो? ऑस्टिन के संप्रभुता सिद्धान्त पर विश्व व्यापार संगठन जैसी संस्थाओं की संवृद्धि का क्या प्रभाव पड़ा है?

(ख) एच. एल. ए. हार्ट के अनुसार जॉन ऑस्टिन संप्रभू की निरन्तरता की व्याख्या - विशेषतया जब कोई राजा एकतंत्रीय शासन में मृत्यु को प्राप्त हो जाता है - नहीं कर सकता। उन कारणों को स्पष्ट कीजिए हार्ट ऑस्टिन के बारे में ऐसी टिप्पणी क्यों करता है?

3. (a) A Society having only primary Rules of obligation suffers from certain defects. Explain how Hart

tries to remove those defects in a Legal system. Use illustration from the India legal system, wherever possible. (10)

(b) According to Hart, Austin's gunman theory is a predictive theory as it does not explain the 'idea of obligation' embedded in the definition of "Rule", resulting in neglect of internal aspect of Rules comment on the statement. given above and clearly bring out the differences between social habits and social Rules as given by Hart. (10)

(क) जिस समाज में बाध्यता के केवल प्राथमिक नियम हैं उसके कतिपय कमियों रहती हैं। स्पष्ट कीजिए हार्ट किस प्रकार किसी विधिक पद्धति में उन कमियों को दूर करने का प्रयास करता है। भारतीय विधिक पद्धति से यथासंभव दृष्टान्तों का उपयोग कीजिए।

(ख) हार्ट के अनुसार आस्टिन का गनमैन सिद्धान्त भविष्यवाची सिद्धान्त है क्योंकि यह "नियम" की परिभाषा में सन्निहित 'बाध्यता के विचार' को सुस्पष्ट नहीं करता है जो नियमों के आन्तरिक पक्ष की उपेक्षा में फलीभूत होता है। उपर्युक्त कथन पर टिप्पणी लिखिए और हार्ट द्वारा यथा प्रदत्त सामाजिक आदतों और सामाजिक नियमों के बीच भिन्नताओं को प्रकाश में लाइए।

4. The speluncean Explorer's Case provides a window

to look into the process of judicial decision making, use any of the two below stated principles/doctrines and show how the judges differed from each other in either the reasoning or the decision making while deciding the fate of the "unfortunate" explorers in "willfully" taking the life of Roger whetmore". [The facts of the speluncean Explorers case need not be stated by the students].

(a) Doctrine of separation of Powers and the morality of legalism.

(b) Varying Rules of Interpretation.

(c) Judges of the Supreme Court are to provide justice to the people and not merely give a judgment applying the law of the land in a given situation. (20)

स्पेलनसियन एक्सप्लोरर्स का केस न्यायिक विनिश्चय निर्माण की प्रक्रिया को जांचने के लिए एक झरोखा प्रदान करता है। निम्नलिखित सिद्धान्तों में से किन्हीं दो को प्रयोग करके दर्शाइए कि रोजर व्हैटमोर का जीवन जानबूझकर लेने में 'अभागे एक्सप्लोरर्स' के भाग्य का विनिश्चय करते समय या तो तर्क देने में या विनिश्चय निर्माण में न्यायाधीशों ने किस प्रकार भिन्न राय रखी।" [स्पेलनसियन एक्सप्लोरर्स केस के तथ्यों को विद्यार्थियों को देने की जरूरत नहीं है।]

(क) शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धान्त और विधिकवाद की नैतिकता।

(ख) निर्वचन के बदलते नियम।

(ग) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को दी गई स्थिति में स्थानीय विधि लागू करते हुए लोगों को न्याय प्रदान करना है, न केवल निर्णय करना है।

5. Elucidate the theory of "Balancing of Interests", as given by Roscoe Pound. Explain how his theory can/cannot be used to answer conflicting ideologies in relation to contemporary problem with a special focus on problems of homosexuality, Reservation Policy in India and Rape as a crime against a person. (20)

रोस्को पाउंड के यथा प्रदत्त "हित-सन्तुलन" के सिद्धान्त का खुलाशा कीजिए। समलैंगिकता की समस्या, भारत में आरक्षण नीति और किसी व्यक्ति के विरुद्ध अपराध के रूप में बलात्संग पर विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित करने के साथ-साथ समसामयिक समस्याओं के बारे में विरोधी विचारधाराओं का उत्तर देने के लिए उसका सिद्धान्त किस प्रकार प्रयुक्त नहीं किया/प्रयुक्त नहीं किया जा सकता है, स्पष्ट कीजिए।

6. What were the reasons for the growth of Historical school of thught in Europe? Critically analyse the idea of "Volksgeist" given by Karl Von sanigny. Do you think his theory can be applicable in a multicultural multilingual and pluralist democracy like India? (20)

यूरोप में चिन्तन की ऐतिहासिक विचारधारा की संवृद्धि हेतु क्या कारण थे। कार्ल वन सेविग्नी द्वारा प्रदत्त "जन-मानस" के विचार का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। क्या आप मानते हैं उसका सिद्धान्त भारत जैसे बहु-सांस्कृतिक बहुभाषिक एवं बहुलवादी लोकतंत्र में लागू हो सकता है?

7. According to Hans Kelsen, the legal order is a social, Coercive and a Normative order. Explain the above statement.

हैंस केल्सन के अनुसार विधिक व्यवस्था एक सामाजिक, प्रपीड़क तथा प्रादर्शक व्यवस्था है। उपर्युक्त कथन की व्याख्या कीजिए।

8. Write short notes on any **two** of the following:

(a) Critical analysis of 'Presupposition of Basic Norm' by Hans Kelsen

(b) Rule of Recognition and its legal validity in Hart's Concept of law.

(c) Henry Maine's distinction between static and Dynamic Societies.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) हेन्स केल्सन द्वारा आधारभूत सन्नियम की पूर्वकल्पना का समीक्षात्मक विश्लेषण।

(ख) हार्ट की विधि की संकल्पना में मान्यताप्राप्ति का नियम और इसकी विधिक वैधता।

(ग) हेनरी मैन की स्थैतिक और गतिमान समाजों के बीच सुभिन्नता।